की हालत बहुत खराब है और बारिश होने पर उनमें ऊपर से पानी गिरता है ? खास तौर से इसकी शिकायत एम० पीज० ने की है, क्या इसका भी पता है ?

श्री लाल बहादुर : कम से कम एम० पीज० की गाड़ियां ऐसी नहीं हैं।

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या सरकार को मालूम है कि एम० पीज० को ले जाने वाली जो गाड़ियां हैं, खास तौर से उन्हीं में पानी गिरता है और उन्हीं की शिकायत हुई है ?

श्री लाल बहादुर : अगर ऐसा हुआ है तो फिर हम ध्यान देंगे।

PRODUCTION OF CONDENSERS BY I.T.I. LTD.

*425. MOULANA M. FARUQI: Will the Minister for COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether production of condensers has been taken up by the Indian Telephone Industries Limited;

(b) if so, since when; and

(c) if not, what is the result of the experiments carried out in that direction by the said Industries?

THE DEPUTY MINISTER FOR COMMUNICATIONS (SHRI RAJ BAHADUR): (a). Yes.

(b) Since July 1955.

(c) Does not arise.

مولانا ایم : فاروقی : کیا گورنمنٹ یہ مناسب سمجھتی ھے کہ ٹیلیفون کی اس قسم کی چیزوں کے لئے جو پرائیویٹ کمپنیاں ھیں ان سے بھی کام لیا جائے ؟

†[**मौलाना एम० फारूकी :** क्या गवर्नमेंट यह मुनासिब समझती है कि टेलीफोन की इस किस्म की चीजों के लिये जो प्राइवेट कम्पनियां हैं, उनसे भी काम लिया जाय?]

श्री राज बहादुर : यह एक निहायत मुनासिब ख्याल है। लेकिन इसमें यह भी ध्यान रखना पड़ता है कि अपने मुल्क में कौन सी चीज बनाई जा सकती है और कौन सी नहीं बनाई जा सकती। ऐसी चीजें जो कि फैक्ट्री में बनाने से इकोनामिकल साबित नहीं होतीं उन को दूसरी जगह से भी, मुल्क में अगर बनती हैं, लिया जा सकता है।

مولانا ایم : فاروقی : کیا امید کی جا سکتی ھے کہ ھندوستان اس معاملہ میں کب تک ، سیلف شفیسینٹ ھو جائے گا ؟

†[**मौलाना एम० फारूकी :** क्या उम्मीद की जा सकती है कि हिन्दुस्तान इस मामले में कब तक सेल्फ सफिशेंट हो जायगा ?]

श्री राज बहादुर : यह रॉ मैटीरियल्स के मिलने पर मुनहस्सिर है। अगर रॉ मैटीरियल्स जितने चाहियें उतने मिल जाते हैं और अगर उनका बनाना हमारे मुल्क वालों को आ जाता है तो हिन्दुस्तान सेल्फ सफिशेंट हो जायगा।

डा० रघुबीर सिंह : क्या रिसर्च करने की कोशिश नहीं होगी ?

श्री राज बहादुर : जो आविष्कार या रिसर्च हो सकती है, की जाती है।

مولانا ایم - فاروقی : کیا باھر لوگ اس طرح کی ٹریننگ کے لئے بھیجے گئے ھیں ؟

†[**मौलाना एम० फारूकी :** क्या बाहर लोग इस तरह की ट्रेनिंग के लिये भेजे गये हैं ?]

†Hindi transliteration.

श्री राज बहादुर : टेलीफोन बनाने के काम के लिये यूरोप की जिस कम्पनी से हमारा मुआहिदा है वहां कुछ लोग सीखने के लिये भी भेजे गये हैं ।

DIRECT WIRELESS TELECOMMUNICATION SERVICES TO FOREIGN COUNTRIES

*MOULANA M. FARUQI: Will the Minister for COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) the decision of Government on the proposals for opening of:

(i) direct Radiophoto Service between India and Japan;

(ii) direct Radio Telephone Service between India and Burma; and

(iii) direct Wireless Telegraph Service between India and Iran; and

(b) what is the annual expenditure estimated to be incurred on each of the above services?

THE DEPUTY MINISTER FOR COMMUNICATIONS (SHRI RAJ BAHADUR): (a)(i) It has been decided to open a direct Radiophoto Service between India and Japan. Preliminary tests have been successfully completed. The date and details about inauguration have yet to be finalised.

(ii) A direct Radiotelephone Service between India and Burma was opened on the 24th March 1955.

(iii) It has been decided to open a direct Radiotelegraph Service between India and Iran. The details of an agreement to be executed in that connection have been almost finalised. The Service will be opened soon after the ratification of the agreement.

(b) Since the above Services are or will be operated on schedule basis *with existing equipment, it is* not possible to give separately the estimated expenditure involved on these Services.

PASSENGER TRAINS RUN BY THE RAILWAYS

*427. MOULANA M. FARUQI: Will the Minister for RAILWAYS be pleased to state:

(a) the total number of passenger trains at present run by the Railways; and

(b) whether any new trains were introduced during the current year; if so, how many?

THE DEPUTY MINISTER FOR RAILWAYS AND TRANSPORT (SHRI O. V. ALAGESAN): (a) 4,684 daily.

(b) 86 new trains were introduced during the period 1st January 1955 to 31st July 1955.

مولانا ایم - فاروقی : کیا گورنمنٹ یہ غور کر رہی ہے کہ الہ آباد اور لکھنؤ کے درمیان کوئی نئی تیز ٹرین چلائی جائے اس وجہ سے کہ بہت تھوڑی دور کا راستہ ہے اور بہت دیر میں طے ہوتا ہے ؟

†[मौलाना एम० फारूकी : क्या गवर्नमेंट यह गौर कर रही हैं कि इलाहाबाद और लखनऊ के दर्मियान कोई नई तेज ट्रेन चलाई जाय, इस वजह से कि बहुत थोड़ी दूर का रास्ता हैं और बहुत देर में तय होता हैं ?]

श्री लाल बहादुर : इलाहाबाद और लखनऊ के बीच बहुत सी गाड़ियां चलती हैं, और मेरे ख्याल में और गाड़ी बढ़ाने की जरूरत नहीं हैं । तेज गाड़ी चलाने की इसलिये जरूरत नहीं हैं कि रात को सोते हुये जाते हैं और छः बजे सवेरे पहुंच जाते हैं । इसमें किसी को देर से पहुंचने की वजह से तकलीफ नहीं होती हैं ।

مولانا ایم - فاروقی : یہ ۱۲۰ میل کا فاصلہ ہے لیکن کسی گاڑی میں

†Hindi transliteration.